अप्रैल से जून 2026

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती समारोह

लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय में संस्था के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबासाहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके **'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो'** के मूलमंत्र को याद किया गया।मुख्य कार्यालय के साथ-साथ भदवा ,हथिरकला ,नरपतपुर ,सिरिसती ,नेवादा और विशुनपुरा ग्राम पंचायतों में भी विशेष गोष्ठियों और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। स्थानीय कार्यकर्ताओं के सहयोग से ग्रामीणों और युवाओं को बाबासाहेब के संघर्षों, भारतीय संविधान के निर्माण में उनकी ऐतिहासिक भूमिका और सामाजिक समानता के विचारों से परिचित कराया गया।कार्यक्रमों में विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समुदायों, महिलाओं और वंचित वर्ग के अधिकारों तथा समाज में भाईचारा व न्याय स्थापित करने पर बल दिया गया।

हासिए से शिखर की ओर : चेतना छात्रावास की बेटियों ने विपरीत हालातों को हराकर अपनी कक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया

"जहाँ सुविधाओं का अभाव होता है, वहीं से अक्सर असाधारण प्रतिभाएं निकलती हैं।" इस बात को सच कर दिखाया है चेतना छात्रावास की उन पांच बेटियों ने, जिन्होंने अपनी वार्षिक परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान हासिल किया है।ये सभी बालिकाएं अत्यंत गरीब परिवारों और समाज के उस हाशिए पर रहने वाले समुदाय से आती हैं, जहाँ आज भी दो वक्त की रोटी का संघर्ष है और पढ़ाई-लिखाई के महत्व को नहीं समझा जाता। ऐसे माहौल और रूढ़ियों को पीछे छोड़, इन बेटियों ने छात्रावास की देखरेख में अपनी कड़ी मेहनत से साबित कर दिया कि अगर अवसर मिले तो वे किसी से कम नहीं हैं।

कक्षा	छात्रा	प्राप्तांक
कक्षा 1	परी	300 में से 278
कक्षा 2	अंजना	300 में से 265
कक्षा 3	सोनम	700 में से 661
कक्षा 4	काजल	700 में से 628
कक्षा 5	सिमरन	700 में से 636

इन बेटियों का यह शानदार रिजल्ट सिर्फ उनके अंकों का स्कोर नहीं है, बल्कि उस पूरे समुदाय के लिए एक खुली आँख का सपना और प्रेरणा है जो बेटियों की शिक्षा को बोझ समझता है। यह सफलता दर्शाती है कि चेतना छात्रावास इन वंचित वर्ग के बच्चों को एक सुरक्षित, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के अपने संकल्प पर पूरी निष्ठा से काम कर रहा ।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम-

24 अप्रैल राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर चोलापुर ब्लॉक- भिदुर, बंतरी, बाबियाव और चिरईगांव ब्लॉक रामचंदीपुर, शंकरपुर, ऊक्थि, गोबरहा में ग्राम प्रधान,वार्ड सदस्य,पंचायत सहायक,पंचायत सचिव एवं संगठन की सक्रिय महिलाओं , पुरुषों के साथ स्थानीय पंचायत सचिवालय में स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाने, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने,और ग्रामीणों को विकास कार्यों से जोड़ने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर कार्यक्रम किया गया । कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों ने विकास कार्यों की समीक्षा की।संगठन के सदस्यों ने सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।पंचायत भवनों पर ग्राम सभा का आयोजन हुआ।महिलाओं ने आजीविका और बाल विकास के मुद्दों को उठाया । यह कार्यक्रम दोनों ब्लॉकों की 7 ग्राम पंचायतों में किया गया । कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों, पंचायत के कार्य से जुड़े कर्मचारी और संगठन के सक्रिय कार्यकर्ताओं के आपसी समन्वय से ग्रामीण विकास के संकल्प को मजबूती मिली।

बालिका शिक्षा अभियान : अब डिजिटल हुई उड़ान

ग्रामीण अंचल की बेटियों को शिक्षा और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से "बालिका शिक्षा अभियान - अब डिजिटल हुई उड़ान" के तहत एक व्यापक 10 दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान का किया गया। अभियान 1 अप्रैल से 10 दिनों तक चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र की कुल 17 ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर गतिविधियां आयोजित की गईं, जिसमें 598 किशोरियों एवं बालिकाओं ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराई। अभियान के दौरान बालिकाओं और ग्रामीणों को प्रेरित करने के लिए पर्चा ,पोस्टर,लूडो गेम और ऑडियो वीडियो जैसे माध्यमों का सहारा लिया गया बालिकाओं को डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट और तकनीक के सुरक्षित व सही उपयोग की व्यावहारिक सीख दी गई।समाज के प्रबुद्ध और असरदार लोगों से सीधा संवाद स्थापित कर लड़कियों की शिक्षा के लिए एक सुरक्षित व अनुकूल माहौल तैयार किया गया।पचराव ,बाबियाव और शियों में जागरूकता रैलियों का आयोजन कर "स्कूल चलो अभियान" किया गया । शत-प्रतिशत बालिकाओं का स्कूल में दाखिला और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु हस्ताक्षर अभियान किया गया। सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने और शिक्षा के प्रति सजगता बढ़ाने के लिए 'बेल बजाओ' जैसी अनूठी गतिविधि की गई।'लूडो गेम' और 'साँप-सीढ़ी खेल' जैसी मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से बालिकाओं को उनके अधिकारों और शिक्षा के महत्व की गहरी समझ दी गई।10 दिनों के इस सघन अभियान ने 17 पंचायतों की 598 बालिकाओं में एक नया आत्मविश्वास और सीखने की ललक जगाई है। इस डिजिटल उड़ान का मूल उद्देश्य हर बेटी को न सिर्फ शिक्षा से जोड़ना है, बल्कि उसे आज के आधुनिक और डिजिटल युग के लिए मानसिक व तकनीकी रूप से पूरी तरह सशक्त बनाना है।

न्याय और सामाजिक चेतना की मिसाल : ग्राम पंचायत हथियार कला की दो कहानियां

ग्राम पंचायत हथियार कला में सामाजिक जागरूकता और महिला संगठन की शक्ति का एक बड़ा उदाहरण बनी। इस बैठक में दो बेहद महत्वपूर्ण मामलों पर समझ विकसित की गई:

कहानी 1: जब संगठन की शक्ति के आगे झुकी जिद (समूह विवाद का सफल निपटारा)

हथियार कला के 'अपेक्षा स्वयं सहायता समूह' में पिछले काफी समय से एक गंभीर समस्या चल रही थी। समूह की सदस्य शुभराजी ने 7 साल पहले समूह से ₹9000 का कर्ज लिया था, जिसे वह वापस करने को बिल्कुल तैयार नहीं थीं। इससे समूह का अनुशासन और अन्य महिलाओं का भरोसा टूट रहा था। बैठक में समूह की सभी बहनों ने एकजुटता दिखाई। सबने मिलकर शुभराजी पर नैतिक दबाव बनाया और उन्हें समूह के नियमों का अहसास कराया। संगठन की इस ताकत के आगे शुभराजी को झुकना पड़ा। मौके पर ही पूरा हिसाब-किताब किया गया और शुभराजी ने ₹30,000 (मूलधन और ब्याज सहित) समूह में वापस जमा किए। इस राशि के साथ कुल तीन महीने के पैसों का हिसाब पूरा हुआ और समूह की महिलाओं के बीच मुनाफे के बंटवारे के लिए जुलाई माह की तारीख तय की गई। यह घटना साबित करती है कि यदि महिला संगठन मजबूत हो, तो कोई भी आपका हक नहीं मार सकता।

कहानी 2: कानून का पाठ और बाल विवाह पर रोक (एक सजग पहल)

संगठन के बैठक के दौरान एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया। गाँव की कलावती की पोती अभी मात्र 17 वर्ष की है। पिता की मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है, इसलिए वे सरकारी योजना (मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह आदि) के तहत उसकी शादी कराना चाहते हैं। लेकिन आधार कार्ड में उम्र कम (नाबालिग) होने के कारण शादी नहीं हो पा रही है। कलावती आधार कार्ड में उम्र बढ़वाने (संशोधन) के लिए अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर काट रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम और समूह की महिलाओं ने कलावती को बैठक में बुलाया और उनकी काउंसलिंग की। उन्हें कड़े शब्दों में समझाया गया कि बाल विवाह करना एक गंभीर कानूनन अपराध है। यदि वे 18 वर्ष से कम उम्र में लड़की की शादी करती हैं, तो उनके और पूरे परिवार के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो सकती है और वे जेल भी जा सकती हैं। समाज में हुए कुछ उदाहरणों और कानूनी मुकदमों का हवाला देकर उन्हें समझाया गया कि कम उम्र में शादी करना लड़की के स्वास्थ्य और भविष्य दोनों के लिए खतरनाक है। कानून का डर और बच्ची के प्रति जिम्मेदारी को समझते हुए आखिरकार कलावती ने अपनी गलती मानी और फिलहाल शादी न करने हेतु सहमत हुईं।

युवा और किशोरी नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

25 मई गांधी आश्रम, दानगंज (खंड स्तरीय) 23 युवा एवं किशोरियों के साथ कार्यक्रम किया गया ,कार्यक्रम की शुरुआत नीलम जी द्वारा सभी युवा साथियों के आत्मीय परिचय सत्र के साथ की गई। खेल - खेल में सीख: सूबेदार जी ने विभिन्न मनोरंजक और दिमागी खेलों के माध्यम से युवाओं में टीम वर्क, आपसी तालमेल और नेतृत्व क्षमता की समझ विकसित की।व्यावहारिक केस स्टडीज: समाज की वास्तविक घटनाओं और केस स्टडीज के जरिए किशोर-किशोरियों को समस्याओं को समझने और उनका समाधान खोजने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। सत्र के अंत में रुखसाना जी द्वारा पूरे प्रशिक्षण का बारीकी से मूल्यांकन किया गया। सभी सहभागी युवाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में सामाजिक बदलाव और नेतृत्व की जिम्मेदारी उठाने की संकल्प लिया ।

विश्व माहवारी स्वच्छता एवं प्रबंधन दिवस

चिरईगांव (28 मई) मुख्य कार्यालय में आयोजित शिविर में 15 ग्राम पंचायतों की 30 किशोरियों ने भाग लिया।चोलापुर (29 मई) मुनारी कार्यलय में आयोजित कार्यक्रम में 12 ग्राम पंचायतों की 28 किशोरियों की भागीदारी रहीं ।प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु व चर्चा:भ्रांतियों पर प्रहार: मुख्य प्रशिक्षक रंजू जी और पूनम जी ने स्पष्ट किया कि माहवारी एक सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसे लेकर समाज में फैली झिझक, शर्म और पुरानी भ्रांतियों को खत्म करना बेहद जरूरी है।किशोरियों को सुरक्षित माहवारी प्रबंधन , सैनिटरी पैड के सही इस्तेमाल, उसके सुरक्षित निस्तारण , व्यक्तिगत साफ-सफाई और संतुलित पोषण (खान-पान) की व्यावहारिक जानकारी दी गई। किशोरी संगठन की शिवांगी, एकता, निधि, अनु, नैना और रागनी ने खुलकर अपने अनुभव साझा किए और अन्य सहेलियों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मूल उद्देश्य ग्रामीण किशोरियों को स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन के प्रति आत्मनिर्भर व जागरूक बनाना रहा। प्रशिक्षण के समापन पर दोनों ब्लॉकों की कुल 58 प्रतिभागी किशोरियों ने अपने-अपने गांवों में जाकर माहवारी स्वच्छता के प्रति फैली कुप्रथाओं को मिटाने और जागरूकता फैलाने का दृढ़ संकल्प लिया।

सशक्त युवा, समृद्ध गाँव- चोलापुर में 'युवा नेतृत्व विकास प्रशिक्षण'

04 जून 2026 (सम्पूर्ण क्रांति व विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या) ब्लॉक मुख्यालय सभागार, चोलापुर ब्लॉक के विभिन्न गाँवों से आए 42 युवाओं के साथ सप्त क्रांति की समझ विकसित की गई मुख्य प्रशिक्षक रंजू जी और पूनम जी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि सम्पूर्ण क्रांति केवल राजनीतिक बदलाव नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक परिवर्तन की एक व्यापक मुहिम है। उन्होंने युवाओं से अपनी नेतृत्व क्षमता को पहचानने के लिए प्रेरित किया। युवाओं को टीम वर्क , संवाद कौशल और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का प्रशिक्षण दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को प्रकृति संरक्षण और

अपने गाँवों को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया गया। इस एक दिवसीय कार्यशाला शिविर का मूल उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को सिर्फ मूकदर्शक नहीं बनाना है युवाओं को अपने समुदाय और गाँव के विकास का मुख्य चेहरा बनाना है। प्रशिक्षण के समापन पर सभी 42 युवाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने और पर्यावरण को बचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया।

सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस और विश्व पर्यावरण दिवस पर युवाओं के साथ कार्यशाला

05 जून लोक चेतना समिति, चिरईगांव, वाराणसी रंजू जी (निदेशिका), डॉ. जयन्त भाई जी (सचिव) एवं पूनम जी (जिला संयोजक) नेतृत्व में चोलापुर और चिरईगांव ब्लॉक की 9 ग्राम पंचायतों से आए 50 युवाओं के साथ लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के विचारों और उनकी ऐतिहासिक 'सात क्रांतियों' (सप्त क्रांति) के मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी गई। विभिन्न रोचक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं की छिपी हुई क्षमताओं को पहचाना गया और उनमें नेतृत्व गुण विकसित किए गए।विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण को स्वच्छ रखने की शपथ ली गई।इस संयुक्त कार्यक्रम का मूल उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को वैचारिक रूप से मजबूत और जागरूक बनाना है, ताकि वे अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में जाकर सामाजिक विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा सकें और बदलाव के वाहक बन सकें। कार्यक्रम में चोलापुर और चिरईगांव ब्लॉक के युवाओं की भागीदारी रही ।

अपनी ताकत को पहचानो :पंचायत स्तर पर युवाओं का एक दिवसीय प्रशिक्षण

संस्था द्वारा ग्रामीण युवाओं को देश के लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पंचायत स्तर पर एक विशेष "संवैधानिक चेतना एवं नेतृत्व विकास" प्रशिक्षण अभियान का किया गया। चिरईगाँव के 7 ग्राम पंचायतों के 168 युवाओं के साथ पंचायत स्तर पर युवाओं का संवैधानिक अधिकार व कर्त्तव्य प्रशिक्षण किया गया , प्रशिक्षण देने का कार्य ब्लाक संयोजक तथा सहयोग स्थानीय कार्यकर्ता ने किया, यह प्रशिक्षण अभियान दिनांक 9, 10, 15, 16, 24, 25 और 27 जून 2026 को अलग-अलग पंचायतों में सफलतापूर्वक चलाया गया, जिसमें युवाओं की उपस्थिति विशुनपुरा 39 ,मोकलपुर 30 , शियों 25 , बरियासनपुर 21 , मुस्तफाबाद 20 , ऊक्थि 17 और कमौली 16 रही , युवाओं को बताया गया कि कानूनन उनके पास क्या अधिकार हैं और एक सच्चे नागरिक के रूप में देश के प्रति उनके क्या कर्तव्य हैं।गाँव के विकास और सरकारी योजनाओं की निगरानी में युवा कैसे अपनी लोकतांत्रिक हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। समाज में जाति, धर्म और लिंग से ऊपर उठकर समानता, न्याय, स्वतंत्रता और आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना। इस पूरे अभियान का मूल उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में नेतृत्व क्षमता का विकास करना और उन्हें देश के कानून के प्रति सजग बनाना है।

लोक चेतना समिति के सहयोग से 466 दिव्यांगजनों व बुजुर्गों का हुआ असेसमेंट

16 जून 2026 ब्लॉक सभागार, चिरईगांव अन्य स्वयं सेवी संस्था और भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), उत्तर प्रदेश कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमें कुल 466 दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के जीवन को सुगम व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से इस विशाल कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में ALIMCO के विशेषज्ञों द्वारा 466 लोगों का पंजीकरण कर उनका असेसमेंट (जांच) किया गया। इन सभी जरूरतमंदों को जल्द ही उच्च गुणवत्ता वाले किफायती कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे, जैसे : आधुनिक व्हीलचेयर और बैसाखी ,कृत्रिम हाथ और पैर ,सुनने के लिए हियरिंग एड (कान की मशीन) आदि ।

चेतना छात्रावास में लौटीं रौनक: ग्रीष्म अवकाश के बाद 40 बालिकाओं की पढ़ाई-लिखाई पुन:प्रारंभ

एक महीने के लंबे ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद चेतना छात्रावास में एक बार फिर से चहल-पहल और रौनक लौट आई है। छुट्टियां बिताकर छात्रावास लौटीं 40 बालिकाओं के चेहरों पर अपनी सहेलियों से मिलने की खुशी और पढ़ाई को लेकर एक नया उत्साह देखने को मिला।मुख्य देखभाल कर्ता सावित्री बहन द्वारा सभी 40 छात्राओं का आत्मीय स्वागत किया गया। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य व कुशल-क्षेम की जानकारी ली और उन्हें नए सत्र के लिए प्रोत्साहित किया। बिना किसी देरी के बालिकाओं के पठन-पाठन का कार्य पूरी लगन के साथ शुरू कर दिया गया है। सावित्री बहन की देखरेख में छात्राओं की पढ़ाई, खान-पान और समय-सारणी (Time Table) को सुचारू रूप से व्यवस्थित कर दिया गया है।चेतना छात्रावास का हमेशा से यह संकल्प रहा है कि ग्रामीण और वंचित वर्ग की बालिकाओं को एक सुरक्षित, अनुशासित और बेहतर शैक्षणिक माहौल दिया जा सके। छुट्टियां खत्म होते ही सभी 40 बालिकाएं पूरी ऊर्जा के साथ अपने उज्जवल भविष्य को बढ़ने में जुट गई हैं।

स्वयं सहायता समूह का क्लस्टर प्रशिक्षण

14 मई को दानगंज चोलापुर ,24 जून 2026 ग्राम पंचायत अमौली में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण का किया गया। इस प्रशिक्षण में 12 स्वयं सहायता समूहों की 44 सक्रिय महिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी बहनों के स्वागत और परिचय के साथ हुई।प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु - समूह की नियमावली, पदाधिकारियों की जिम्मेदारी,क्लस्टर बैठक का महत्व और स्व रोजगार और आत्मनिर्भरता की जानकारी दी गई जिसमें व्यक्तिगत स्वरोजगार: मसाला पैकिंग, जीरा पैकिंग, पापड़ बनाना, टॉफी-बिस्कुट की दुकान, सब्जी व पान की दुकान जैसे छोटे कुटीर उद्योग।सामूहिक रोजगार: मिलकर सामूहिक खेती करना, व्यावसायिक स्तर पर सब्जी उगाना, अचार बनाना और जयमाल के लिए आकर्षक लहंगा व जयमाल सेट तैयार करना आदि जानकारी दी गई । इस प्रशिक्षण का सबसे बड़ा लक्ष्य ग्रामीण महिलाओं को सूदखोरों (ब्याज माफियाओं) के चंगुल से पूरी तरह मुक्त कराना और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना है।

सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की प्राप्ति हेतु हितभागियों का पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण -

कमौली 25 लोग , हरीदासीपुर 29 लोग,मुस्तफाबाद 33,पचराव 44,सरसौल 33 और शंकरपुर 27 लोगों के साथ स्थानीय पंचायत सचिवालय में सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति में पंचायत हितधारकों (Stakeholders) की भूमिका पर प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया ,कार्यक्रम में गाँव के विकास से जुड़े प्रमुख हितधारकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज की, जिसमें मुख्य रूप से शामिल रहे:पंचायत सदस्य , आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती एवं आंगनवाड़ी सहायिका,सफाई कर्मचारी ,पंचायत सहायक, मनरेगा मेट एवं अन्य सक्रीय नागरिक,कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास और सामाजिक सुधार से जुड़े निम्नलिखित संवेदनशील और आवश्यक विषयों पर गहरी समझ विकसित की गई सतत विकास के 9 मुख्य बिंदु: SDGs के 9 प्रमुख लक्ष्यों को स्थानीय स्तर पर लागू करने की रणनीति पर चर्चा किया गया । पंचायत में चल रही सरकारी योजनाओं को इन लक्ष्यों के साथ जोड़कर काम करना। गाँव में आपसी भाईचारा, सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना। नशा मुक्त पंचायत का निर्माण और शत-प्रतिशत शिक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा किया गया । प्रशिक्षण में उपस्थित सभी हितधारकों को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराया गया। यह तय किया गया कि जब सभी विभाग और जनप्रतिनिधि मिलकर अपनी भूमिका निभाएंगे, तभी ग्राम पंचायत एक आदर्श, आत्मनिर्भर और सतत विकसित पंचायत बन पाएगी।

संगठन की महिलाओं का एक दिवसीय नेतृत्व एवं क्षमता विकास प्रशिक्षण

14 मई को चिरईगाँव के बर्थराकला में 5 पंचायतों 32 महिला , 22 जून को मुख्य कार्यालय चिरईगाँव में5 ग्राम पंचायतों से आईं 30 महिला , 23 जून 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चोलापुर में 7 गावों से 23 और 29 जून 2026 मुख्य कार्यालय में 5 गांवों की 34 संगठन की सक्रिय महिलाओं का एक दिवसीय नेतृत्व एवं क्षमता विकास प्रशिक्षण किया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को संगठन के उद्देश्य, संगठन की मजबूती, नेतृत्व की भूमिका तथा सामूहिक कार्य के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड एवं सुकन्या समृद्धि योजना से संबंधित केस स्टडी के माध्यम से महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसके अतिरिक्त महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं, उनके लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और अन्य महिलाओं तक भी यह जानकारी पहुँचाने के लिए प्रेरित किया गया।

-: सम्पर्क :-

लोक चेतना समिति

चिरईगाँव ब्लाक मुख्यालय के पास
पो. – बरियासनपुर, वाराणसी – 221112
फोन – 0542 2616289, मो. 9450249555

आर्थिक सहयोग के लिए

Name – Lok Chetana Samiti
Bank – SBI, Sarnath
Account No. – 10255120233
IFSC – SBIN0004560

loksamiti@yahoo.co.in, lcsvaranasi@gmail.com
www.lcsvns.org
https://www.facebook.com/public/Lok-Chetana-Samiti-Varanasi
http://lcsvns.org/